एक नजर में

कलेक्टर के वाहन को टक्कर मारने वाले डंपर मालिक पर कार्रवाई शुरू

झाबुआ। सोमवार को कलेक्टर नेहा मीणा के वाहन को टक्कर मारने वाले डंपर मालिक के खिलाफप्रशासन ने मंगलवार से कार्रवाई शुरू कर दी है। झाबुआ कलेक्टर और एसडीएम के निर्देशन में राणापुर तहसीलदार एसएस निगवाल को जांच का जिम्मा सौंपा गया। राणापुर तहसीलदार निगवाल ने मंगलवार को डंपर मालिक के कैंपस को सील कर उसके 4 डंपर और 6 बसों पर कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। इस दौरान जांच में यह बात भी सामने आई कि डंपर मालिक व रेत कारोबारी शांतिलाल बसेर ने आदिवासी की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन ग्रापं पाडलवा के हल्का नंबर 36 में स्थित है। यह भूमि आदिवासी बसु पिता बारिया के नाम से सर्वे नंबर 536/1 में दर्ज है, जिसका रकबा 26 हेक्टेयर है। प्रशासन अब धारा 170 के तहत कार्रवाई करते हुए शांतिलाल बसेर का अवैध कब्जा हटाकर जमीन को वापस आदिवासी को सौंपने की प्रक्रिया में जुटा है।

अभियान के तहत राजवाड़ा चौक पर हुआ नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित

झाबुआ। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 15 दिवसीय नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत 29 जुलाई को महिला पुलिस बल झाबुआ एवं महिला नगर सुरक्षा समिति द्वारा राजवाड़ा चौक झाबुआ पर एक भव्य नशामुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों, पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और महिला नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से नशामुक्ति की शपथ ली। शपथ ग्रहण के पश्चात देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गईं, जिसने कार्यक्रम को प्रेरणादायक और ऊर्जा से भरा बना दिया। इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शुक्ल ने पुलिस लाइन झाबुआ से नशामुक्ति जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर राजवाड़ा तक पहुंची। रैली में बैनर और पंपलेट्स के माध्यम से नागरिकों को नशे से होने वाली हानियों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक शुक्ल, एसडीओपी रूपरेखा यादव, डीएसपी कमलेश शर्मा, रक्षित निरीक्षक अखिलेश राय, थाना प्रभारी आरसी भास्करे, ब्रह्माकुमारी संस्था एवं गायत्री परिवार के सदस्य और बड़ी संख्या में आम जनता उपस्थित थी। इस अभियान के तहत झाबुआ पुलिस द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थलों पर भी लगातार नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नशे से मुक्ति ही सशक्त और स्वस्थ समाज की दिशा में पहला कदम है।

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को शिव मंदिरों में दिनभर रहीं भक्तों की भीड़

झाबुआ। श्रावण मास के तीसरे सोमवार 28 जुलाई को अलसुबह से

लेकर देर रात तक शहर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ रहीं। मंदिरों में 'ऊँ नमः शिवाय, हर-हर महादेव' के स्वर गूंजायमान हुआ। श्रद्धालुओं द्वारा शिवलिंग पर जल, दूध, पंचामृत से अभिषेक कर केसर, चंदन, तिलक आदि किया गया। भगवान भोलेनाथ को प्रिय बिल्व-पत्र, धूतरा, भांग आदि अर्पण की गई। शहर के सिद्धेश्वर कॉलोनी में सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में रात्रि में सुंदर विद्युत सज्जा देखते ही बनी। श्री सिद्धेश्वर महादेवजी का सुंदर श्रृंगार किया गया। संध्याकाल 7.30 बजे आरती कर आगरा का पेठा और फल का प्रसाद वितरित किया गया। छोटे तालाब स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर पूरे श्रावण मास में सुंदर विद्युत सज्जा की गई है। यहां भगवान भोलेनाथ का पुष्पमालाओं और फूलों से मनमोहक श्रृंगार हुआ। रात्रि में विशेष आरती पश्चात् युवा शिव भक्त चंद्रेश नीमा की और से करीब डेढ़ क्विंटल फरियाली खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। स्टॉल लगाकर वितरण कार्य में विशेष सहयोग हर्षल अग्रलवाल एवं अन्य युवा भक्तजनों ने प्रदान किया। डीआरपी लाईन स्थित श्री गोपेश्वर महादेव मंदिर पर भगवान का काजू, बादाम, भांग और फूलों से मनमोहक श्रृंगार हुआ। यहां भी फरियाली खिचड़ी एवं केसरिया दूध का प्रसाद भक्तों को वितरित हुआ। मंदिर में बैठकर महिलाओं द्वारा भजन-किर्तन किए गए।

इन मंदिरों पर भी रहीं भीड़-श्रावण मास के तीसरे सोमवार को गोपाल कॉलोनी स्थित महाकाल मंदिर, राजवाड़ा पर श्री सत्यनारायण मंदिर स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में संध्याकाल 7.30 बजे विशेष आरती कर विशेष प्रसादी का वितरण हुआ। कॉलेज मार्ग पर प्राचीन श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर, कॉलेज मार्ग पर गायत्री शक्तिपीठ स्थित श्री स्फटिक महाकालजी के दर्शन-पूजन एवं अभिषेक के लिए भक्तों की आवाजाही लगी रहीं। समीपस्थ देवझिरी तीर्थ स्थल पर मेले जैसा माहौल रहा। झाबुआ-मेघनगर मार्ग पर श्री पारदेश्वर महादेव मंदिर एवं श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर पर भी भक्तों की दर्शन-पूजन के लिए विशेष भीड़ रहीं। मंदिरों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न हुए।

मारपीट के अपराध में आरोपी को सात वर्ष के सश्रम कारावास

झाबुआ। मारपीट के एक अपराध में न्यायालय ने आरोपी को सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। घटना के विवरण में बताया गया कि 2 जुलाई 2024 को फरियादिया ने थाना राणापुर पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पिता हिम्मत सिंह अपने घर के सामने खटिया पर लेटे हुए थे, तभी उसके बडे पापा बसु (अभियुक्त) अपने हाथ में लोहे का फलिया लेकर आए व किसी विवाद को लेकर हिम्मत सिह (फरियादिया के पिता) को जान से मारने की नियत से फलिए से मारने लगे, जिससे हिम्मत सिंह को गंभीर चोटे आयी। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना राणापुर पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना उनि. दीपक देवरे द्वारा की गयी। उक्त प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश विधी सक्सेना द्वारा आरोपी बसु उर्फबच्चू को दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी को 7 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। उक्त प्रकरण का प्रतिनिधित्व लोक अभियोजक मानसिह भूरिया द्वारा किया गया।

श्री बड़केश्वर महादेव मंदिर से निकली शिवजी की शाही सवारी

झाबुआ। शहर के नेहरू मार्ग पर प्राचीन श्री संतोषी माता मंदिर के निकट स्थित श्री बड़केश्वर महादेव मंदिर से श्री बड़केश्वर महादेव ग्रुप द्वारा श्रावण मास के तीसरे सोमवार को शाम 6 बजे भगवान भोलेनाथ की शाही सवारी निकाली गई। शाही सवारी में सवार होकर भगवान भोलेनाथ ने शहर भ्रमण किया। यात्रा पश्चात् श्री बड़केश्वर महादेव मंदिर में भगवान की महाआरती कर 1 क्विंटल फरियाली खिचड़ी का प्रसाद भक्तों को वितरित किया गया। मंदिर के सेवक जगदीश बैरागी ने बताया कि श्री बड़केश्वर महादेव ग्रुप द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रावण मास के तीसरे सोमवार को शिवजी की शाही सवारी का आयोजन किया गया। यात्रा में आगे ढोल-ताशों से पूरा शहर गूंजायमान हुआ। जिसके पीछे मातृ शक्तियां एक जैसे ड्रेस में सम्मिलित हुई। बालिकाओं द्वारा जगह-जगह भगवान के समधुर भजनों एवं ढोल-ताशों पर सामूहिक नृत्य किया गया। पुरूष वर्ग भी एक जैसे परिधानों में शामिल हुआ। शाही सवारी में पालकी में भगवान भोलेनाथजी को लेकर श्री बड़केश्वर महादेव

ग्रुप से जुड़े युवा भक्तजन चले। यह शाही सवारी शहर के नेहरू मार्ग से गोविंदनगर कॉलोनी, कस्तूरबा मार्ग, सुभाष मार्ग, कमल टॉकिज गली, थांदला गेट, बाबेल चौराहा, आजाद चौक, श्री गौवर्धननाथ मंदिर तिराहा, राजवाड़ा, श्री चारभुजानाथ मंदिर परिसर, भोज मार्ग होते हुए मंदिर पहुंची।

महाआरती कर खिचड़ी का हुआ वितरण

सोमवार को श्री बड़केश्वर महादेवजी का सुंदर एवं मनमोहक श्रृंगार किया गया, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। आसपास सुंदर विद्युत सज्जा भी की गई। शाही सवारी पश्चात् रात्रि में श्री बड़केश्वर महादेवजी एवं पालकी में विराजमान भगवान भोलेनाथजी की महाआरती की गई। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए। समापन पर स्टॉल लगाकर सभी भक्तों को 1 क्विंटल फरियाली खिचड़ी का प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने हेतु श्री बड़केश्वर महादेव मंदिर ग्रुप ने सभी का आभार माना।

कोरियर वाहन से भारी मात्रा में सोना, चाँदी और नकद राशि बरामद

झाबुआ। जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल के मार्गदर्शन में, एसडीओपी थांदला नीरज नामदेव की सक्रिय निगरानी में थांदला पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। 28 जुलाई की रात करीब 9 बजे थांदला पुलिस को एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की एक कोरियर वाहन में अवैध सामग्री का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए थांदला-पेटलावद मार्ग पर वाहन की घेराबंदी की और उसे जांच के लिए रोका। जांच के दौरान वाहन में भारी मात्रा में नकद राशि, चाँदी के आभूषण तथा सोना बरामद हुआ। विशेष रूप से वाहन के दरवाजों में नकदी को छुपाने के लिए विशेष

स्थान बनाए गए थे। वाहन में सवार तीन व्यक्तियों से पूछताछ की गई, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर पुलिस ने वाहन सहित सभी सामग्री को जब्त कर लिया। पुलिस द्वारा 78,99,500 नकद, 74.15 किलोग्राम चाँदी तथा 350 ग्राम सोना (बॉक्स सहित) बरामद किया गया। साथ ही वाहन को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस ने वाहन चालक कैलाश रायकवार नि. दतिया, राजेश रायकवार, और अजय गुप्ता नि. झांसी को गिरफ्तार कर आरोपियों के खिलाफ विधिसंगत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वही पुलिस ने मामले की सूचना आयकर विभाग और जीएसटी विभाग को दी है। पुलिस पुछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह सामग्री झांसी से राजकोट गुजरात ले जा रहे थे। इस कार्यवाही को अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नाग पंचमी पर नागेश्वर मंदिर पर रही भक्तों की भीड़

झाबुआ। शहर में 29 जुलाई को नाग पंचमी का पावन पर्व मनाया गया। इस दिन शहर में एकमात्र डीआरपी लाईन स्थित श्री नागेश्वर मंदिर पर दिनभर भक्तों की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ रहीं। मंदिर में स्थापित नाग देवता की प्रतिमा का श्रद्धालुओं ने जल-दूध से अभिषेक कर पूजन-पाठ किया। इस दिन घरों में भी पूजन की गई। श्री नागेश्वर मंदिर पर प्रात:काल से ही नागदेवता की पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ लगना शुरू हो गई थी। यहां श्रद्धालुओं द्वारा नागदेवता की प्रतिमा की विधि-विधान से पूजन-आरती कर बाद प्रसाद सभी को वितरित की गई। कई लोगों ने इस दिन व्रत, उपवास भी रखे। श्री नागेश्वर मंदिर की स्थापना वर्ष 2002 में शहर के एलआईसी कॉलोनी में रहने वाले सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारी हरिशचन्द्र वर्मा द्वारा स्वयं अपने निजी व्यय से की गई। तब से वह लगातार यहां मंदिर पर सेवा कार्य कर रहे है। इस कार्य में उनके परिवार के सदस्य सहयोग प्रदान करते है। मंदिर के सेवक वर्मा ने

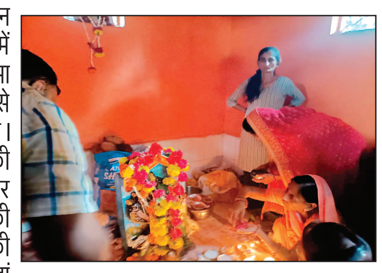

बताया कि प्रतिवर्ष नाग पंचमी पर मंदिर दिनभर भक्तों के दर्शन के लिए खुला रहने के साथ श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को प्रतिमा का सुंदर श्रृंगार किया जाता है। महाशिवरात्रि पर भी प्रतिमा का विशेष श्रृंगार करने के साथ भक्तजन बड़ी संख्या में दर्शन के लिए आते है।

एसपी ने स्कूल में छात्रों के साथ हस्ताक्षर अभियान द्वारा नशे के खिलाफ शपथ दिलाई

नशे से दूरी है जरूरी : अभियान का आयोजन

आलीराजपुर। जोबट अनुभाग के खट्टाली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 卐नशे से दूरी है जरूरी卐 अभियान के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा- कार्यक्रम की शुरुआत में खट्टाली क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों द्वारा पुलिस अधीक्षक का पारंपरिक स्वागत कर श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। प्राचार्य द्वारा 卐नशे से दूरी है जरूरी卐 अभियान के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया। पुलिस अधीक्षक का प्रेरक उद्बोधन- पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा - 卐नशा एक ऐसा जहर है जो

धीरे-धीरे व्यक्ति, परिवार और समाज को नष्ट कर देता है। इस बुराई से बचने और दूसरों को बचाने की जिम्मेदारी हर नागरिक की है। युवाओं को इस दिशा में सबसे आगे बढ़कर समाज को नशामुक्त बनाने का प्रयास करना होगा।卐उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के लिए एक चुनौती है और इसका समाधान जनसहयोग, संवेदनशीलता और सतत प्रयासों से ही संभव है। श्री व्यास ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को प्रेरित करें कि सामाजिक आयोजनों में नशे का प्रयोग न करें तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे सकारात्मक कार्यों में ही संसाधनों का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि नशे की लत किस प्रकार से व्यक्ति और समाज दोनों के लिए विनाशकारी सिद्ध हो रही है। नशे में होनी वाली जघन्य घटनाओं के कारण मृतकों के परिजनों को भारी मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा है। श्री व्यास ने कहा कि नशे के कारण हुई इस प्रकार की जनहानि की भरपाई संभव नहीं है और इसका दर्द केवल पीड़ित परिवार ही महसूस कर सकता है।

कार्यक्रम के उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा 卐नशे से दूरी है जरूरी卐 विषयक हस्ताक्षर अभियान का विस्तार किया गया।

जनसुनवाई का सार्थक आयोजन संपन्न

अलीराजपुर 29 जुलाई 2025 । प्रति मंगलवार की भांति जनसुनवाई कक्ष में जनसुनवाई का आयोजन अपर कलेक्टर श्रीमति अनुपमा चौहान की अध्यक्षता में किया गया । इस जनसुनवाई में ग्राम मोटा उमर आवेदक ने आवेदन देकर बताया कि कुमारी सुनिता पिता सुरसिंह बघेल के पिता नहीं है और वह आगे पढ़ना चाहती है किन्?तु मेरी आर्थिक स्थिति कमजोर है जिससे मैं सुनीता को आगे पढाने में सक्षम नहीं हूँ , शासन की योजना अंतर्गत कुमारी सुनीता को छात्रावास में प्रवेश दिलावाया दी जाए ताकि वह आगे की पढाई कर सके ।

ाीमती चौहान ने इस आवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आदिम जाति कल?याण विकास के अधिकारी को निर्देशित किया कि पात्रता अनुसार इस आवेदन का निराकरण करें ।इसी तरह अतिक्रमण ,जमीन कब्जा, आदि से संबंधित कुल 09 आवेदन पत्र प्राप्त हुए उन्हें संबंधित विभाग को सौंप कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान डिप्?टी कलेक?टर श्री जी.पी. अग्रवाल एवं समस्त विभाग के प्रमुख एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर

जनजाति समाज की संस्कृति और परंपरा की जडे मजबूत है, जिसे कोई हिला नहीं सकता है,हम सब एक है : राजेश डावर

भोले बाबा हम आये हैं-कावड़ भर कर लाये हैं के जयकारों के साथ सेवा भारती की कावड़ यात्रा निकली

पेटलावद। वर्षो तक मुगल और अंग्रेज आ कर भी जनजाती समाज की संस्कृति नहीं बदल सके तो आजकल के आये हुए कुछ संगठन हमें कैसे बदल देगें या अलग कर देंगे। हम सब एक है हम सब हिंदू है। बाबा देव को पुजने वाले हम सब हिंदू है। कुछ लोग हमारे बीच में भेदभाव उत्पन्न करना चाहते है। जिससे हमें बचना होगा। और हमें एक रहना होगा। जनजाती समाज ने सभी अवसरों पर एक जुट हो कर हिंदू राष्ट्र की रक्षा के लिए सहयोग दिया है। हमारी संस्कृति और पूर्वज के दिये हुए संस्कार हमें हमारी जडों से जोड रखते है। हमें हमारी सनातन परंपराओं को जीवीत रखना है। हमारे बीच भेदभाव उत्पन्न करने वालों से सावधान रहना है। उक्त बात सेवा भारती के द्वारा सोमवार को आयोजित समरसता कावड यात्रा के बाद धर्म सभा को संबोधित करते हुए राजेश डावर विभाग के जनजातीय कार्य प्रमुख ने कहीं।

*प्रकृति का वरद हस्त प्राप्त है।: इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भागवत कथा वाचक और गौभक्त देवेंद्र जी शास्त्री ने कहा कि सनातन की परंपराओं को सिचने के लिए आप सब के द्वारा किये जा रहे सदप्रयासों के प्रति हम नतमस्तक है। आपकी भगवान भोलेनाथ के प्रति अगाथ श्रद्वा से हम भाव विभोर है। झाबुआ जैसे जनजाती क्षेत्र पर प्रकृति का वरदहस्त प्राप्त है। जिससे यहां चारो ओर हमें हरियाली और भगवान की भक्ति में रमते भक्तगण दिखाई देते है। सेवा भारती भी सतत सेवा कार्यो में लगी हुई है। जिसमें कई प्रकल्पों के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खडे व्यक्ति को लाभ पहुंचाया जा रहा है। मंच पर अतिथि के रूप में श्री हरिहर आश्रम एवं कृष्ण कामधेनु गो शाला के संचालक श्री देवेंद्र जी शास्त्री, सनातन सेवा आश्रम के 1008 महामंडलेश्वर श्री जितेंद्रानंद जी महाराज,गुफा मंदिर संचालक संत श्री रमेश जी कलारा, राजेश जी डावर, विभाग जनजातिय प्रमुख विराजीत रहे। इस मौके पर अतिथियों ने सर्वप्रथम भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और द्वीप प्रज्वलीत कर धर्मसभा का शुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत सेवा भारती के पूर्णकालिक और जिला समिति के सदस्यो के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनजाती के सहयोग का एकल गीत लालचंद सोलंकी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। *भव्य समरसता कावड यात्रा।* ''भोले शंभु भोले नाथ ,हर हर बम बम'' के जयकारों से नगर को धर्ममय करते सेवा भारती की समरसता कावड यात्रा का नगर में प्रवेश हुआ तो स्वागत मंचों के माध्यम से पुष्प वर्षा कर नगरवासियों ने कावडयात्रा का स्वागत किया। नगर में सेवा भारती कावड यात्रा का स्वागत लायंस क्लब आफ पेटलावद सेंट्रल, लायंस क्लब आफ पेटलावद ग्रेटर, जनपद पंचायत पेटलावद और ब्राम्हण समाज पेटलावद के द्वारा स्वागत किया गया। नगर में भ्रमण कर कावड यात्रा निलकंठेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां पर माही नदी के जल से भगवान का जलाभिषेक किया गया। कावड यात्रा में श्रद्वालु कई रूपों और रंगों में दिखे जहां किसी ने 21 किलो की कावड उठा रखी तो कहीं किसी ने अपने कावड को अलग ही रूप दिया। कई श्रद्वालु हाथों में भगवा ध्वज लिये चले।

तीन स्थानों से चली कावड़ यात्रा

सेवा भारती के द्वारा आयोजित कावड यात्रा दिनांक 27 जुलाई को तहसील के तीन खंड से प्रारंभ हुई जिसमें खाखरोडा माही नदी, भेरूगढ माही नदी और बोलासा फिल्टर प्लांट से जलभर कर रात्रि विश्राम बामनिया,सारंगी और रायपुरिया में करने पश्चात सोमवार को पेटलावद नगर में कावड यात्रा ने प्रवेश किया। जहां पर कावड यात्रा नगर में निकलने के पश्चात धर्मसभा में परिवर्तीत हुई। इस अवसर पर सेवा भारती के जिला सदस्य रितेश निमजा, संतोष निनामा सह जिला कार्यवाह,जिला योजना प्रमुख अमृत भाबर, पूर्णकालिक दशरथ मैडा, लालसिंह सोलंकी,लक्ष्मण निनामा, प्रकाश पारगी,मांगु कटारा,कोमल निनामा,अजय सिंगाड,लालसिंह पारगी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र भट्ट,सेवा भारती सदस्य के द्वारा किया गया और अंत में आभार प्रदर्शन अमृत भाबर, जिला योजना प्रमुख के द्वारा माना गया।